



ग्लोबल इंडिया AI शिखर सम्मेलन

प्रलिस के लयः

वैश्वकः INDIAai शिखर सम्मेलन, [भारत मंडपम](#), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, आर्टफिशियल इंटेलिजेंस तैयारी सूचकांक, INDIAai मशिन, [कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्वकः भागीदारी](#)

मेन्स के लयः

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारस्थितिकी तंत्र, श्रम बाजार पर AI का प्रभाव, INDIAai मशिन

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली के [भारत मंडपम](#) में [ग्लोबल इंडिया AI शिखर सम्मेलन \(Global INDIAai Summit\)](#) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारत और विश्व स्तर पर [कृत्रिम बुद्धिमत्ता \(AI\)](#) के भविष्य पर चर्चा करने के लिये [वशिषज्ज](#), [नीति निर्माता](#) और [उत्साही लोग](#) इसमें शामिल हुए।

- एक अन्य महत्वपूर्ण घटना यह रही कि [अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष \(IMF\)](#) ने [आर्टफिशियल इंटेलिजेंस प्रीपेयर्डनेस सूचकांक \(AIPI\)](#) [डैशबोर्ड](#) लॉन्च किया है, जो वैश्वकः स्तर पर 174 अर्थव्यवस्थाओं की AI तत्परता की निगरानी करेगा।

शिखर सम्मेलन से संबंधित प्रमुख बडि और नषिकर्ष क्या हैं?

- **ग्लोबल AI डसिकोरस:** भारत ने AI उपलब्ध करने और इसे सभी के लिये सुलभ बनाने की सरकार की मंशा पर बल देकर वैश्वकः चर्चा की शुरुआत की।
 - चर्चाओं में भारत की AI वषिय को आकार देने में अनूठी आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें [वैश्वकः AI नेतृत्व प्राप्त करने के साथ-साथ अपनी घरेलू मांग को पूरा करने](#) पर ध्यान केंद्रित किया गया।
 - शिखर सम्मेलन ने [ग्लोबल साउथ देशों](#) को अपनी AI-संबंधी चिंताओं और आकांक्षाओं को व्यक्त करने के लिये एक मंच प्रदान किया, जिसमें कई देशों ने ग्लोबल नॉर्थ के साथ इन देशों के अंतराल को पाटने में भारत की भूमिका को स्वीकार किया।
- **INDIAai मशिन:** शिखर सम्मेलन ने [INDIAai मशिन के माध्यम से](#) देश में एक [समावेशी और मजबूत AI इकोसिस्टम](#) बनाने तथा वैश्वकः AI नवाचार का नेतृत्व करने के लिये भारत की योजनाबद्ध कार्रवाई एवं प्रतबिद्धता को प्रदर्शित किया।
 - शिखर सम्मेलन में [कंप्यूट क्षमता, आधारभूत मॉडल, डेटासेट, एप्लीकेशन डेवलपमेंट, भविष्य के कौशल, स्टार्टअप फाइनेंसिंग](#) और सुरक्षित AI जैसे क्षेत्रों में AI विकास को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया जो INDIAai मशिन के प्रमुख स्तंभ हैं।
 - चर्चा में विभिन्न कार्यान्वयन पहलुओं को शामिल किया गया, जैसे कि भारत की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये [मल्टी-लार्ज लैंग्वेज मॉडल \(LLM\)](#) मॉडल विकसित करना, AI-तैयार डेटा का प्लेटफॉर्मिकरण और मानकीकरण तथा बहु-हतिधारक दृष्टिकोण के साथ एक साझेदार इकोसिस्टम तैयार करना।
- **वैश्वकः साझेदारी:**
 - **CAIGP:** वैश्वकः भागीदारी पर सहयोगात्मक AI (CAIGP) के आयोजन ने वैश्वकः AI विभाजन को दूर करने के लिये तंत्र की पहचान करने हेतु [कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्वकः भागीदारी \(GPAI\)](#) के सदस्यों, AI वशिषज्जों को एकजुट किया।
 - GPAI भारत सहित 29 सदस्य देशों के साथ एक बहु-हतिधारक पहल है, जिसका उद्देश्य AI से संबंधित प्राथमिकताओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान और एप्लाइड गतिविधियों का समर्थन करके AI पर सदिधांत तथा व्यवहार के बीच के अंतराल को पाटना है।
 - **भारत वर्ष 2024 में GPAI का प्रमुख अध्यक्ष है।** GPAI के प्रमुख अध्यक्ष के रूप में, भारत प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने और भरोसेमंद AI को बढ़ावा देने के लिये वैश्वकः AI वशिषज्जों को आमंत्रित कर रहा है।
 - **GPAI सर्वसम्मति:** सदस्यों ने GPAI के भविष्य के दृष्टिकोण पर आम सहमति बनाई, जिसमें AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ज़ोर दिया गया, जोखिमों को स्वीकार किया गया और मानव-केंद्रित AI विकास के लिये प्रतबिद्धता जताई गई।

- **OECD-GPAI साझेदारी:** नई दलिली में [आर्थिक सहयोग और विकास संगठन \(Organisation for Economic Co-operation and Development - OECD\)](#) और GPAI के बीच AI पर एक नई एकीकृत साझेदारी की घोषणा की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत होगा। इसका खास तौर पर भारत और अन्य गैर-OECD सदस्य देशों के लिये महत्वपूर्ण प्रभाव है।
 - भारत ने रणनीतिक रूप से OECD सदस्यों के साथ GPAI की स्वतंत्र पहचान सुनिश्चित की, जिससे वैश्विक AI शासन चर्चाओं में इसकी प्रासंगिकता बनी रही।
 - हालाँकि इसके विपरीत, भारत द्वारा स्वतंत्रता के लिये प्रयास किये जाने के बावजूद सचिवालय OECD के पास ही रहा और गैर-OECD GPAI सदस्य समान रूप से भाग ले रहे थे, लेकिन OECD की प्रशासनिक नगिरानी में।
- **स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन (Startup Ecosystem Support):** भारतीय AI मशिन के 10,372 करोड़ रुपए के परवियय में से 2,000 करोड़ रुपए स्वदेशी AI-आधारित समाधान विकसित करने वाले भारतीय स्टार्टअप को समर्थन देने के लिये निर्धारित किये गए।
 - AI विकास में कंप्यूटिंग शक्ति की महत्वपूर्ण आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए, स्टार्टअप के लिये GPU अवसंरचना तक सब्सिडी वाली पहुँच प्रदान करने की योजनाओं पर चर्चा की गई।
 - शिखर सम्मेलन में AI स्टार्टअप के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों को हल करने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें डेटासेट तक पहुँच, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है।
- **AI शिक्षा:** व्यापक AI साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये आयु-उपयुक्त AI शिक्षण वातावरण की आवश्यकता पर बल दिया गया।
- **सेक्टर-वशिष्ट अंतरदृष्टि:** शिखर सम्मेलन में भारत के [एग्रीसुटेक](#) में AI अनुप्रयोगों, किसानों को डेटा-संचालित ऋण वितरण और समय पर कृषि सूचना संग्रह तथा नरिणय लेने के लिये AI के उपयोग पर चर्चा की गई।
 - चर्चा में भारत में कानूनी ढाँचे और डेटासेट प्लेटफॉर्म पर चर्चा की गई, जिसमें शासन में डेटा प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया गया। सरकारी सेवाओं में AI के एकीकरण पर भी चर्चा की गई, जिसमें दक्षता और नागरिक सेवाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **नैतिक और मानव-केंद्रित AI:** शिखर सम्मेलन में भरोसेमंद और मानव-केंद्रित AI विकास को बढ़ावा देने की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।
 - प्रतिभागियों ने AI प्रणालियों द्वारा उत्पन्न उभरते जोखिमों और चुनौतियों को पहचाना तथा ज़िम्मेदार विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन में AI पर OECD अनुशंसा और AI की नैतिकता पर UNESCO अनुशंसा के प्रति प्रतिबद्धताओं को याद किया गया।
 - UNESCO ने मानव अधिकारों और सम्मान की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए AI की नैतिकता पर सफ़ारिश को अपनाया।
 - इस सफ़ारिश में AI सिस्टम की पारदर्शिता, नैपिक्क्षता और मानवीय नगिरानी पर जोर दिया गया है। इसमें नीति-निर्माताओं के लिये डेटा गवर्नेंस, पर्यावरण, लैगि, शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में मूल मूल्यों और सिद्धांतों को लागू करने के लिये नीति कार्रवाई क्षेत्र भी शामिल हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तैयारी सूचकांक (AIIPI) क्या है?

- AIIPI देशों का उनके [डिजिटल बुनियादी ढाँचे](#), मानव पूंजी, श्रम नीतियों, नवाचार, एकीकरण और वनियमन के आधार पर मूल्यांकन करता है।
 - उन्नत डिजिटल बुनियादी ढाँचे वाले देश सूचकांक पर उच्च स्कोर करते हैं। कुशल कार्यबल की उपलब्धता और AI कौशल का समर्थन करने वाली शैक्षिक प्रणाली महत्वपूर्ण कारक हैं।
- **AIIPI डैशबोर्ड** देशों को उन्नत अर्थव्यवस्था (AE), उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्था (EM) तथा नमि आय वाले देश (LIC) में वर्गीकृत करता है।
 - **सिंगापुर (0.80)**, **डेनमार्क (0.78)** और **संयुक्त राज्य अमेरिका (0.77)** उच्चतम रेटिंग वाले AI में से हैं। **EM** के रूप में वर्गीकृत **0.49** रेटिंग के साथ भारत 72वें स्थान पर है।
 - उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन अपेक्षाकृत मजबूत है, लेकिन **चीन (0.63)** जैसे अपने कुछ क्षेत्रीय साथियों से पीछे 31वें स्थान पर है।

(i)

(i)

(i)



(i)

- (i)

(i)

(i)

(i)

(i)

(i)

(i)

- (i)

3. रोगों का नदिन
4. टेक्स्ट-से-स्पीच (Text-to-Speech) में परविरतन
5. वदियुत ऊर्जा का बेतार संचरण

नीचे दयि गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1, 2, 3 और 5
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'वानाक्राई, पेड्या और इटरनलब्लू' जो हाल ही में समाचारों में उल्लिखित थे, नमिनलखिति में से कसिसे संबंधित हैं? (2018)

- (a) एक्सोप्लैनेट्स
- (b) करप्टोकॉरेंसी
- (c) साइबर आक्रमण
- (d) लघु उपग्रह

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. भारत के प्रमुख शहरों में IT उद्योगों के वकिस से उत्पन्न होने वाले मुख्य सामाजिक-आर्थिक नहितार्थ क्या हैं? (2022)

प्रश्न. "चौथी औद्योगिक क्रांति (डजिटल क्रांति) के प्रादुर्भाव ने ई-गवर्नेंस को सरकार का अवभाज्य अंग बनाने में पहल की है"। वविचन कीजयि। (2020)